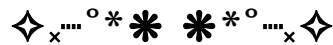




विन्ध्येश्वरी आरती: सुन मेरी देवी पर्वतवासनी (Vindheswari arati: Sun Meri Devi Parvat Vasani lyrics)



॥ विन्ध्येश्वरी आरती ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल ।
ले तेरी भेंट चढ़ायो माँ ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

सुवा चोली तेरी अंग विराजे ।
केसर तिलक लगाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

नंगे पग मां अकबर आया ।
सोने का छत्र चडाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

ऊंचे पर्वत बनयो देवालाया ।
निचे शहर बसाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

सत्युग, द्वापर, त्रेता मध्ये ।
कालियुग राज सवाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

धूप दीप नैवैध्य आर्ती ।
मोहन भोग लगाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

ध्यानू भगत मैया तेरे गुन गाया ।
मनवंचित फल पाया ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी ।
कोई तेरा पार ना पाया माँ ॥

<<•• * ••>>

॥ Vindheshwari arati ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Paan supaari dhvaja naariyal ॥
Le teri bheent chadhaayo maa ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Suva choli teri ang viraaje ॥
Keser tilak lagaaya ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Nange pag maan Akbar aaya ॥
Sone ka chatra chadaaya ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Unche parvat banayo devaalaya ॥
Niche shahar basaaya ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Satyug, Dwapar, Treta madhye ॥
Kaliyug raaj savaaya ॥

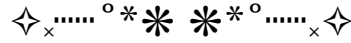
Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Dhoop deep naivedhya aarti ॥
Mohan bhog lagaaya ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥

Dhyaanu bhagat maiyya tere gun gaaya ॥
Manvanchit phal paaya ॥

Sun meri devi parvatvaasni ॥
Koi tera paar na paaya maa ॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati:
chalisapdf.net